



# KHAN GLOBAL STUDIES

KGS Campus, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6  
Mob : 8877918018, 875735880

## Economics

By : Dr. Bharat Sir

### मुद्रा आपूर्ति

- मुद्रा की आपूर्ति एक निश्चित तिथि पर किसी देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा और अन्य तरल संपत्तियों की कुल राशि है।
- संचलन में धन की राशि में नकदी और जमा राशि होती है जिसे लगभग तुरंत वापस लिया जा सकता है।
- बैंक नियामक बैंकों पर आरक्षित आवश्यकताओं को रखकर, ऋण का विस्तार कैसे करें, और अन्य धन संबंधी चिंताओं के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध धन आपूर्ति को प्रभावित करते हैं।
- शब्द 'मुद्राआपूर्ति' 'मुद्रास्टॉक', 'धन का भंडार', 'धन की आपूर्ति' और 'धन की मात्रा' जैसे शब्दों का पर्याय है। किसी भी क्षण मुद्रा की आपूर्ति अर्थव्यवस्था में मुद्रा की कुल राशि होती है।
- 1977 से 1998 तक, आरबीआई ने मुद्रा की आपूर्ति (पुराने मौद्रिक समुच्चय) को मापने के लिए चार मौद्रिक समुच्चय - M1, M2, M3 और M4 का उपयोग किया।
- Dr.Y.V. रेड्डी (RBI के पूर्व गवर्नर) - M0 NM1, NM2 और NM3 (नए मौद्रिक समुच्चय) की सिफारिश से 1998 में मापने के मानकों को बदल दिया गया।

### बैंक द्वारा धारित जमा के प्रकार

- डिमांड डिपॉजिट (DD) / माँगजमा - बचतखाता और चालू खाता
- सावधि जमा (TD) - सावधि / अचर जमा (FD) और आवर्ती जमा (RD)

### चालू खाता (Current Account) बनाम बचत खाता (Saving Account)

अंतर के लिए आधार	बचत खाता (SAVING ACCOUNT)	चालू खाता (CURRENT ACCOUNT)
अर्थ	बचत खाता एक डिमांड डिपॉजिट अकाउंट को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति अपनी बचत के प्रबंधन के लिए बैंक में खोल सकता है।	चालू खाता का तात्पर्य एक लेन-देन खाते से है जिसे एक फर्म अपने व्यावसायिक लेनदेन के प्रबंधन के लिए बैंक के साथ खोल सकती है।
द्वारा खोला गया	जो लोग पैसा बचाना चाहते हैं।	व्यावसायिक व्यक्ति जो नियमित और बार-बार व्यापारिक लेन-देन करते हैं।
निकासी की संख्या	एक महीने में सीमित संख्या में निकासी की अनुमति है। लिमिट खत्म होने के बाद हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन के लिए कस्टमर से एक निश्चित शुल्क लिया जाता है।	निकासी की संख्या पर कोई सीमा नहीं।
अधिक रूप से निकालने की सुविधा	उपलब्ध नहीं है	उपलब्ध
उद्देश्य	बचत को प्रोत्साहित करने और भविष्य के लिए आपातकालीन निधि का निर्माण करने के लिए।	नियमित और लगातार व्यापार लेनदेन को सक्षम करने के लिए।
ब्याज का भुगतान	3-4% तक	कोई ब्याज नहीं दिया जाता है

## सावधि/अचर जमा (FD) बनाम आवर्ती जमा (RD)

तुलना के लिए आधार	सावधिजमा (FD)	आवर्ती जमा (RD)
अर्थ	एक जमा योजना जिसमें एक निश्चित राशि बैंक में एक निश्चित अवधि के लिए निवेश की जाती है, सावधि जमा के रूप में जानी जाती है।	एक वित्तीय उत्पाद जिसमें एक विशेष खाते में लंबे समय के लिए नियमित अंतराल पर पैसा जमा किया जाता है, आवर्ती जमा है।
निवेश	एकमुश्त	किश्तों
न्यूनतम राशि जमा करनी होगी	थोड़ा ऊँचा	नाममात्र
रिटर्न	तुलनात्मक रूप से उच्च	कम
फायदा	यह जमाकर्ता को अपने धन पर उच्च रिटर्न अर्जित करने में सक्षम बनाता है।	यह जमाकर्ता में बचत करने की आदत विकसित करता है।

## पुराने मौद्रिक समुच्चय (Old Monetary Aggregates)

1. M1
2. M2
3. M3
4. M4

### 1. M1 = C + DD + OD

- ❖ C - जनता के पास मुद्रा
- ❖ DD - बैंकोंके पास नेट डिमांड डिपॉजिट (इसमें इंटरबैंक डिपॉजिट शामिल नहीं है, जो कि एक कमर्शियल बैंक दूसरे कमर्शियल बैंकों में रखता है)
- ❖ OD - इनमें कुछ व्यक्तियों (आरबीआई के पूर्व गवर्नर आरबीआई के साथ खाता खोल सकते हैं) और संस्थानों (आईएमएफ आदि) द्वारा रखे गए आरबीआई के पास जमा शामिल हैं।

### 2. M2 = M1 + डाकघर बैंकों के साथ बचत खाता जमा

### 3. M3 = M1 + TD (सावधि जमा, आवर्ती जमा जैसे वाणिज्यिक बैंकों के साथ सावधि जमा)

- M3 मुद्रा और कुल बैंक जमा को दर्शाता है। इसलिए, यह एक अर्थव्यवस्था की क्रय शक्ति का प्रतीक है। डाकघर बैंकों के साथ एम2 और एम4 जमा के मामले में भी शामिल हैं। ये बैंक ऋण नहीं दे सकते हैं और क्रय शक्ति जनता के पास मौजूद मुद्रा और बैंकों द्वारा दिए गए ऋण के बराबर है। इसलिए, M2 या M4 के बजाय, हम क्रय शक्ति दिखाने के लिए M3 का उपयोग करते हैं।

- M3 पैसे की आपूर्ति का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपाय है। इसे कुल मौद्रिक संसाधनों के रूप में भी जाना जाता है

### 4. M4 = M3 + डाकघर बैंकों के साथ कुल जमा (राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास पत्र के तहत जमा को छोड़कर)

## नई मौद्रिक समुच्चय (New Monetary Aggregates)

### 1. M0 (मौद्रिक आधार या आरक्षित धन)

#### M0 के घटक:

- ❖ चलन में मुद्रा
- ❖ आरबीआई के पास बैंकों की जमा राशियां
- ❖ आरबीआई के पास शून्य जमा

### 2. NM1 (संकीर्णमुद्रा)

#### M1 के घटक:

- ❖ जनताके पास मुद्रा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ वर्तमान जमा
- ❖ मांग देयताएं बैंकिंग प्रणाली में बचत जमा राशियों का भाग
- ❖ आरबीआई के पास शून्य जमा

### 3. NM2

#### M2 के घटक:

- ❖ जनता के पास मुद्रा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ वर्तमान जमा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली में बचत जमा राशियों की मांग देयताएं
- ❖ आरबीआई के पास शून्य जमा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ एक वर्ष तक की संविदात्मक परिपक्वता के साथ निवासियों की सावधि जमा
- ❖ बैंकों द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र

### 4. NM3 (व्यापकमुद्रा)

#### M3 के घटक:

- ❖ जनता के पास मुद्रा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ वर्तमान जमा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ बचत जमा
- ❖ बैंकों द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ एक वर्ष तक की संविदात्मक परिपक्वता के साथ निवासियों की सावधि जमा
- ❖ आरबीआई के पास शून्य जमा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली के साथ एक वर्ष से अधिक की संविदात्मक परिपक्वता वाले निवासियों की सावधि जमा
- ❖ बैंकिंग प्रणाली द्वारा श्रैर-निक्षेपागार वित्तीय निगमों से मांग/सावधि उधार।

## सेंट्रल बैंक मुद्रा बनाम कमर्शियल बैंक

### (वाणिज्यिक बैंक) मुद्रा

1. सेंट्रल बैंक मुद्रा (M0)- मुद्रा और केंद्रीय बैंक डिपॉजिटरी खातों सहित एक केंद्रीय बैंक के दायित्व।
2. वाणिज्यिक बैंक मुद्रा (M1 & M3)- चालू खातों और बचत खातों सहित वाणिज्यिक बैंकों के दायित्व।



# KHAN GLOBAL STUDIES

KGS Campus, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6  
Mob : 8877918018, 875735880

## Money Supply

- The money supply is the total amount of currency and other liquid assets in a country's economy on a given date.
- The amount of money in circulation consists of cash and deposits that may be withdrawn almost instantly.
- Bank regulators influence the money supply available to the public through placing reserve requirements on banks, choosing how to extend credit, and other money-related concerns.
- The term 'the supply of money' is synonymous with such terms as 'money stock', 'stock of money', 'money supply' and 'quantity of money'. The supply of money at any moment is the total amount of money in the economy.
- From 1977 to 1998, RBI used four monetary aggregates – M1, M2, M3 and M4 – to measure money supply (old Monetary Aggregates).
- Measuring standards changed in 1998 by the recommendation of Dr. Y.V. Reddy (Ex-Governor of RBI) – M0, NM1, NM2 and NM3 (New Monetary Aggregates).

## Types of deposits held by a bank

- Demand Deposits (DD) – Saving Account and Current Account
- Time Deposits (TD) – Fixed Deposit (FD) and Recurring Deposits (RD)

## Current Account Vs Saving Account

BASIS FOR DIFFERENCE	SAVING ACCOUNT	CURRENT ACCOUNT
<b>Meaning</b>	Savings Account refers to a demand deposit account that an individual can open with a bank to manage their savings	Current Account implies a transaction account that a firm can open with a bank to manage its business transactions.
<b>Opened by</b>	Individuals who would like to save money.	Business persons who perform regular and frequent business transactions.
<b>Number of withdrawals</b>	Limited number of withdrawals are allowed in a month. After the limit is over, the customer is charged a certain fee for every additional transaction.	No limit on the number of withdrawals.
<b>Overdraft facility</b>	Not Available	Available
<b>Objective</b>	To encourage savings and build emergency funds for the future.	To enable regular and frequent business transactions.
<b>Payment of interest</b>	Up to 3-4%	No interest is paid

## Fixed Deposit Vs Recurring Deposit

BASIS FOR COMPARISON	FIXED DEPOSIT	RECURRING DEPOSIT
<b>Meaning</b>	A deposit scheme in which a particular sum of money is invested with the bank for a fixed period, is known as Fixed Deposit.	A financial product in which money is deposited to a particular account at regular intervals for a long time is Recurring Deposit.
<b>Investment</b>	Lump sum	Instalments
<b>Minimum amount to be deposited</b>	Slightly high	Nominal
<b>Returns</b>	Comparatively high	Low
<b>Advantage</b>	It enables the depositor to earn higher returns on his funds.	It develops the habit of saving in depositor.

### Old Monetary Aggregates

1. M1    2. M2    3. M3    4. M4

**1. M1 = C + DD + OD**

- C – Currency held by public
- DD – Net Demand Deposits with banks (Doesn't include interbank deposits i.e., deposits which a commercial bank holds in other commercial banks)
- OD – These include Deposits with RBI held by certain individuals (former RBI governors can open an account with RBI) & institutions (IMF etc)

**1. M2 = M1 + Saving account deposits with Post office banks**

**2. M3 = M1 + TD (time deposits with commercial banks like Fixed deposits, Recurring deposits)**

- M3 denotes currency and total bank deposits. Therefore, it signifies purchasing power of an economy. In the case of M2 and M4 deposits with Post Office banks are also included. These banks cannot give out loans and purchasing power is equal to the currency held by the public plus loans given out by the banks. So, instead of M2 or M4, we use M3 to show the purchasing power

➤ M3 is the **most commonly used measure of the money supply**. It is also known as **aggregate monetary resources**

**4. M4 = M3 + Total Deposits with Post Office banks (excludes deposits under National Savings Certificate, Kisan Vikas Patra)**

➤ **New Monetary Aggregates**

**1. NM0 (Monetary Base or Reserve Money)**

**Components of M0:**

- ❖ Currency in Circulation
- ❖ Bankers' Deposits with RBI
- ❖ 'Other' Deposits with RBI

**2. NM1 (Narrow Money).**

**Components of M1:**

- ❖ Currency with the Public

- ❖ Current Deposits with the Banking System
- ❖ Demand Liabilities Portion of Savings Deposits with the Banking System

❖ 'Other' Deposits with RBI

**3. NM2**

**Components of M2:**

- ❖ *Currency with the Public*
- ❖ *Current Deposits with the Banking System*
- ❖ *Demand Liabilities of Savings Deposits with the Banking System*
- ❖ *'Other' Deposits with RBI*
- ❖ Term Deposits of residents with a contractual maturity up to and including one year with the Banking System

❖ Certificates of Deposits issued by Banks

**4. NM3 (Broad Money)**

**Components of M3:**

- ❖ *Currency with the Public*
- ❖ *Current Deposits with the Banking System*
- ❖ *Savings Deposits with the Banking System*
- ❖ *Certificates of Deposits issued by Banks*
- ❖ *Term Deposits of residents with a contractual maturity up to and including one year with the Banking System*

❖ 'Other' Deposits with RBI

- ❖ Term Deposits of residents with a contractual maturity of over one year with the Banking System
- ❖ Call/Term borrowings from 'non-depository' financial corporations by the Banking System.

**Central Bank Money vs Commercial Bank Money**

**1. Central bank money (M0)**– obligations of a central bank, including currency and central bank depository accounts.

➤ **Commercial bank money (M1-M3)**– obligations of commercial banks, including current accounts and savings accounts.